18.02.2025

पत्रिका

डॉ. विजय ने प्रो. मॉरिस की कहानी से किया प्रेरित

'कौशल और प्रतिभा से ही मिलेगी सफलता'

पत्रिका XPOSE रिपोर्टर patrika.com

रायपुर . पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में फैकल्टी विकास कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। रविव नवाचार परिषद (आईआईसी), भारतीय वीएलएसआई शिक्षा सोसायटी (आईएसवीई) रांची और ई एंड आईसीटी -पीडी पीएम आईआईआईटीडीएस जबलपुर की ओर से यह कार्यक्रम किया जा रहा है। ''वीएलएसआई डिजाइन, एम्बेडेड सिस्टम और कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस में स्टार्टअप'' विषय पर आयोजित कार्यक्रम के पहले दिन मुख्य अतिथि बीआईटी मेसरा के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विजय नाथ रहे। कार्यक्रम 22 फरवरी, 2025 तक चलेगा।

डॉ. नाथ ने अपने संबोधन में वीएलएसआई (वेरी लार्ज स्केल इंटीग्रेशन) की विशेषताओं और आधुनिक प्रौद्योगिकी में भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी के सिद्धांतों के बारे में बताते हुए सेमीकंडक्टर की उपयोगिता, विशेषताओं और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के महत्व पर चर्चा की।

उन्होंने सेमीकंडक्टर चिप के आविष्कार में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले प्रोफेसर मॉरिस की कहानी सुनाकर प्रतिभागियों को प्रेरित किया। उन्होंने भारत सरकार के मिशन सेमीकॉन के तहत किए जा रहे प्रयासों और धोलेरा में स्थापित सेमीकंडक्टर सिटी के बारे में भी जानकारी दी, जिससे भारत को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य

वीएलएसआई लैब स्थापित करने की कोशिश

कार्यक्रम समन्वय डॉ. कविता ठाकुर ने बताया कि विश्वविद्यालय में वीएलएसआई लैब स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। कार्यक्रम को शिक्षकों व शोधकर्ताओं को वीएलएसआई तकनीक, एम्बेडेड सिस्टम और कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस में नवीनतम ज्ञान के साथ नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है।

है। उन्होंने कहा कि कौशल और प्रतिभा के आधार पर ही सफलता प्राप्त की जा सकती है, इसलिए इसपर हम काम करें। उन्होंने प्रोग्रामेबल लॉजिक डिवाइसेज क जानकारी देते हुए विभिन्न सर्किटों में कोड डिजाइन करने की प्रक्रिया को समझाया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल, ई एंड आईसीटी एकेडमी - पीडीपीएम आईआईआईटीडीएस की शैक्षणिक प्रभारी डॉ. अपराजिता ओझा, आईसीवीई रांची के अध्यक्ष डॉ. डी. के. यादव, रविवि के रजिस्ट्रार डॉ. शैलेन्द्र कुमार पटेल व अन्य मौजूद थे।